

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

Press Note No: G/30/2016-17

14 March 2017

With the objective of creating awareness about latest developments in steel and new processes being used in steel making, nationally as well as globally, National Seminar on **‘Innovations in Steel and latest trends in Steel Making’** was organized by Bureau of Indian Standards at New Delhi. While inaugurating the seminar, Shri R.K.Mittal, Deputy Director General, Standardization, BIS emphasized on letting efficient manufacturing practices distill down to the entire steel industry through standard formulation and quality conformity so that Indian Steel Industry can increase its footprints both domestically and globally.

Earlier, while welcoming the gathering, Shri J.K.Bakhroo, Head (MTD), BIS observed that to match the ever-growing demand of steel products, steel industry was required to use innovative manufacturing processes. Shri P.K.Sen, Chairman, Wrought Steel Sectional Committee while giving details of the objectives of the seminar, stressed the need for steel industry to climb the learning curve to match quantity with quality.

The inaugural address was followed by the technical session, in which five learned speakers – Shri Devasish Mishra, JSW Steels Limited, Shri Venkat Kondapalli, Arcelor Mittal Automotive India, Dr Subrata Mukherjee, Tata Steel Limited, Shri D Karmarkar, RDCIS, SAIL, and Shri Deepak Gupta, Essar Steel - shared their knowledge about Innovations in Steel and Latest Trends in Steel Making.

The seminar was attended by over 50 dignitaries representing various stakeholders.

(Renuka B. Salwan)  
Director (Public Relations)

## भारतीय मानक ब्यूरो

प्रेस विज्ञप्ति सं. जी/30/2016-17

14.03.2017

इस्पात में हुए नवीनतम विकासों के बारे में जागरुकता पैदा करने के उद्देश्य और राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर इस्पात बनाने में प्रयोग होने वाली नवीन प्रक्रियाओं पर भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा 'इस्पात में नवीन पद्धति और इस्पात निर्माण में नवीनतम प्रवृत्ति' राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का उद्घाटन, श्री आर. के. मित्तल, उप महानिदेशक, मानकीकरण द्वारा किया गया। भामाब्यूरो मानक निर्धारण और गुणता अनुरूपता द्वारा संपूर्ण इस्पात उद्योग में दक्ष कार्यप्रणाली को गति देने पर बल देता है, ताकि भारतीय इस्पात उद्योग घरेलू और वैश्विक दोनों स्तरों पर अपनी पहचान को बढ़ा सके।

इससे पहले श्री जे.के. बाखरु, प्रमुख(एमटीडी) ने जनसमूह का स्वागत किया। भामाब्यूरो ने यह अवलोकन किया है कि इस्पात उत्पादों की निरंतर बढ़ती मांग के लिए इस्पात उद्योग में नवीनतम निर्माण प्रक्रिया की आवश्यकता है। श्री पी.के.सेन, अध्यक्ष, पिटवा इस्पात विषय समिति ने संगोष्ठी के उद्देश्यों का विवरण देते हुए इस्पात उद्योग को सीखने की प्रक्रिया के माध्यम से गुणता और मात्रा को हासिल करने पर बल दिया।

उद्घाटन अभिभाषण के पश्चात् तकनीकी सत्र हुआ, जिसमें 5 विशेषज्ञ वक्ताओं - श्री देवाशीष मिश्रा, जेएसडब्ल्यू स्टीलस लिमिटेड, श्री वेंकट कोंडापल्ली, आर्सेलर मित्तल ओटोमेटिव इंडिया, डॉ सुब्रत मुखर्जी, टाटा स्टील लिमिटेड, श्री डी करमाकर, आरडीसीआईएस, सेल, और श्री दीपक गुप्ता, एस्सार स्टील- ने इस्पात में नवीन पद्धति और इस्पात बनाने में नवीनतम प्रवृत्ति' के विषय पर अपने विचार सांझा किए।

इस संगोष्ठी में 50 से अधिक उच्चाधिकारियों द्वारा विभिन्न स्टैकहोल्डरों का प्रतिनिधित्व किया गया।

(रेनुका बी. सालवान)  
निदेशक(जन संपर्क)



‘इस्पात के क्षेत्र में नवीन पहलें एवं इस्पात बनाने में अद्यतन प्रवृत्तियाँ’  
पर संगोष्ठी

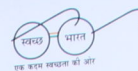
Seminar on  
‘Innovations in Steel and latest trends in Steel Making’

मंगलवार, 07 मार्च 2017

Tuesday, 07 March 2017

धातुकर्म इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय मानक ब्यूरो,  
नई दिल्ली 110002

Metallurgical Engineering Department,  
Bureau of Indian Standards, New Delhi 110002



श्री आर.के. मिश्रा  
SHRI R.K. MITTAL

श्री पी.के. सेन  
SHRI P.K. SEN

श्री संजीव मैनी  
SHRI SANJIV MAINI

